जून 2024

e publication
क्रमांक 18

मासिक पशुपालन निर्देशिका

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार (हरियाणा)

पशुओं में हीट स्ट्रोक

व्हाट्सएप ग्रुप से जुडें: प्रगतिशील पशुपालक ग्रुप से जुड़ने हेतु 930-000-0857 व्हाट्स एप पर मैसेज करें।

गर्मी व लू के प्रकोप के कारण ध्यान ना दिए जाने पर पशुओ में दूध उत्पादन में कमी आ जाती हैं, साथ ही पशु अत्यधिक गर्मी के कारण बीमार भी पड़ सकते हैं एवं पशुपालक को आर्थिक हानि हो सकती हैं | अतः इसे पशुपालक कदापि हल्के में न लें |

पशुओं में तापघात के लक्षण :

- तापघात में पशु अपना तापमान बनाने के लिए हाफ्तां हैं, सांस की दर बढ़ जाती हैं, मुँह खोलकर व जीभ निकालकर सांस लेता हैं |
- कई बार मुँह से लार व झाग निकलता हैं |
- गर्मी लगने पर पशु के खानपान में गिरावट आती हैं |
- दूध उत्पादन घट जाता हैं|
- पशु परेशान व अशांत दिखता हैं |
- पशु का दूध उत्पादन बिलकुल घट जाता हैं |
- पशु का एकदम सुस्त हो जाना व सांस लेने में दिक्कत होना आदि |

बचाव :

- गर्मी से पशु को बचाने के लिए पशु को सीधी धूप से बचाएँ, उसे दिन के वक़्त किसी छायादार जगह में रखे जैसे बाड़े में या छायादार पेड़ के नीचे|
- पशु आहार संतुलित रखे, अनाज की मात्रा को थोडा बढ़ा दे| आहार दिन के ठन्डे समय में जैसे सुबह व शाम में दे|
- पशु को 24 घंटे साफ़ ताज़ा पीने योग्य पानी उपलब्ध कराएं यार फिर दिन में कम से कम 4 से 5 बार पानी पीने के लिए दे|
- पशु को आहार में रोजाना खनिज मिश्रण व नमक दे|
- अधिक तापमान होने पर पशु को दिन में 2-3 बार ठन्डे पानी से नेहला दे|
- बाड़े को हवादार रखे परन्तु ध्यान रखे सीधी लू बाड़े में प्रवेश न करे| बाड़े की दरवाजे खिडकियों पर गीली बोरी भिगो कर लटका सकते हैं|
- बाड़े में पंखो व स्प्रिंकलर का इंतज़ाम करने से तापमान 10 डिग्री तक कम किया जा सकता हैं|
- बाड़े में फर्श को सूखा रखे|

पशुओं में तापघात होने पर क्या करें ?

- तापघात होने पर पशु के शरीर पर तुरंत ठन्डे पानी को लगातार डाले या किसी छायादार-पानी के स्त्रोत में नहाने दें, जब तक पशु के शरीर का तापमान सामान्य ना हो जाये |
- पीने के पानी में इलेक्ट्रोलाइट/ORS या खांड एवं नमक का घोल दे, ताकि पशु के शरीर में लवणों की कमी नहीं हो|
- पशुचिकित्सक की सलाह पर इलाज शुरू कराएँ |

जून मास के पशुपालन सम्बन्धी कार्य

- **ज्वार पशुओं में साइनाइड का जहर बना सकता हैं, साइनाइड की मात्रा अपरिपक्व एवं छोटे पौधों में अत्यधिक होती है|**
- **बारिश होने से पहले अपने पशुओं को ज्वार का चारा ना खिलाएं या फिर 1-2 के सिंचाई के बाद ही काटकर खिलाएं|**
- **हरे चारे के लिए ज्वार की पहली कटाई 50-55 दिन से पहले ना करें|**
- लोबिया आदि फलीदार फसलों को मिलाकर चारे के रूप में बोने से हरे चारे की पौष्टिकता बढती हैं |
- इस मास में हरे चारे की कमी रहती हैं, अतः 4-5 साल लगातार हरे चारे के उपलब्धता के लिए हाइब्रिड नैपिएर घास का उपयोग करें |
- प्रोटीन व विटामिन से भरपूर सहजन वृक्ष की पत्तियों का उपयोग पशुपालक हरे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए करें | हरे चारे को निरंतर रखने हेतु साइलेज का उपयोग करें |

डॉ देवेन्द्र सिंह, डॉ सुजोय खन्ना एवं डॉ ज्योति शुन्ठवाल

विस्तार शिक्षा निदेशालय, लुवास